(x) PETRO-CHEMICAL COMPLEX AT USER, MAHARASHTRA

SHRI BAPUSAHEB PARULEKAR (Ratnagiri): Sir, under rule 377, I would like to mention the following matter of urgent public importance.

The Government of India have decided to set up a gas cracker unit and two or three down-stream units at User near Alibag in Raigad District of Maharashtra. The Government have decided that these units will be in the central public sector. The Government has so far not set up the agency.

I, therefore, request the Government to take urgent decision to set up the agency which would then take steps to set up the complex at User.

The Government of India have indicated that the petro-chemical complex with main gas crackers and six down stream units namely, Ethylene, LDPE, PUC, Styrens Ehylene oxide and Ethyl Hexanol, will be coming up. Which of these six down-stream units will be set up by the Government of India is so far not known. I therefore, request the Government to indicate which of these down-stream units will be taken up by that Government for establishment at User and what will be their capacity. This will enable the State Government to take action to ensure that the remaining major down-stream units are set up either in the joint sector or by encouraging industries in private sector. This will also help the State Government to have a dialogue with the entrepreneurs who can be encouraged to set up down-stream units.

12.35 hrs.

FINANCE BILL, 1981

MR. DEPUTY-SPEAKER: The House will now take up further discussion on the Finance Bill. Shri Ghulam Mohammad Khan may continue his speech.

श्री गुलाम मोहम्मद खां (मुरादाबाद): माननीय डिप्टी स्पीकर साहब, आपने मुझे दोबारा टाइम दिया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं ।

मुझे सन 1952 की बात याद है जब कि गेहूं 65 रुपये क्विंटल था और ट्रेक्टर आठ हजार रुपये में मिलता था। आज ट्रैक्टर की कीमत 78 हजार रुपये है और गेंहूं के दाम सिर्फ दुगने हुए हैं। खेती के काम में जो चीजें इस्तेमाल होती हैं उनके दाम कई गुना बढ़ गये हैं । पहले लोहा एक हजार रुपये टन में मिलता था आज उसकी कीमत साढ़े छः हजार रुपये टन है । इसी तरह से केमिकल खाद, एल्युमिनियम सल्फेट का पहले 13.50 रुपये में एक कट्टा आता था, आज उसकी कीमत 85 रुपये है। डीजल किसान के इस्तेमाल की चीज है। वह पहले 50 पैसे लीटर था आज उसका दाम 2.82 रुपये पर लीटर है ।

इस तरह से खेती के काम आने वाली चीजों की कीमतें कई गुना बढ़ी हैं । इन चीजों की कीमतों को भी चेक कर के उसी लेवल पर रखा जाना चाहिए था जिस लेवल पर खेती से पैदा होने वाली चीजों की कीमतों को रखा गया है । किसानों के साथ यह बड़ी बेइंसाफी हो रही है । इस पर मंत्री जी गौर करें और इन चीजों की कीमतें कम करने की कोशिश करें ।

जापान में हिन्दुस्तान से लोहा जाता है लेकिन वहां ट्रेक्टर की कीमत 25 हजार रुपये है । उसी ट्रेक्टर की यहां कीमत 78 हजार रुप है । मैंने सउदी अरब में देखा कि टोयटा कार जो कि वहां जापान